

प्रेषक,

आर० के० सुधांशु,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
चिकित्सा शिक्षा विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 07 अक्टूबर, 2015।

विषय:- राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर के अन्तर्गत मढ़ी कालोनी चौरास परिसर में
200 बैडेड नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-26प/चि०शि०/130/2014-15/2013/2061 दिनांक 15 अप्रैल, 2015 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पूर्व में निर्गत शासनादेश दिनांक 31.03.2015 को निरस्त करते हुए राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर के अन्तर्गत मढ़ी कालोनी चौरास परिसर में 200 बैडेड नर्सिंग हॉस्टल के निर्माण कार्य हेतु टी०ए०सी० वित्त एवं व्यय वित्त समिति द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यापूर्ण/संस्तुत धनराशि ₹ 977.36 लाख एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के अनुसार धनराशि ₹ 43.95 लाख इस प्रकार कुल ₹ 1021.21 लाख (दस करोड़ इक्कीस लाख इक्कीस हजार मात्र) की लागत पर सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में एस०पी०ए० के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत ₹ 5.00 करोड़ की सीमान्तर्गत विषयगत कार्य के एक ब्लॉक की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए आयोजनगत पक्ष में प्राविधानित बजट के सापेक्ष गत वित्तीय वर्ष 2014-15 में भारत सरकार के विशेष योजनागत सहायता (SPA) के अन्तर्गत राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के अधीन मढ़ी कालोनी चौरास परिसर स्थित 200 बैडेड नर्सिंग हॉस्टल के कार्यों हेतु धनराशि 90 प्रतिशत केंद्रांश के रूप में ₹ 45.00 लाख तथा 10 प्रतिशत राज्यांश के रूप में ₹ 5.00 लाख इस प्रकार कुल ₹ 50,00,000/- (₹ पचास लाख मात्र) की चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. उक्त व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए स्वीकृत किया जा रहा है। इस संबंध में समस्त प्रचलित वित्तीय नियमों/शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
2. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
3. कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाए जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।

4. कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
5. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाए।
6. कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात दिये गये निर्देशों के अनुरूप कार्य कराया जाए।
7. विस्तृत आगणन से प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु संबंधित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
8. स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाए। कार्य की प्रगति की निरंतर व गहन समीक्षा करते हुये कार्य को निर्धारित समयसारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण करते हुए भवन विभाग को हस्तगत कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। विलम्ब या अन्य किसी भी दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा। उक्त कार्य के संबंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 475/XXVII(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
9. उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा डी0एस0आर0 की दरों के आधार पर आगणन तैयार किया जा रहा है तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। अतः इस शर्त के साथ स्वीकृति दी जाती है कि कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम अपने कार्य प्रदर्शिका, वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा डी0एस0आर0 के नियमों का अक्षरशः पालन करेंगे तथा सुनिश्चित करेंगे कि त्रुटिवश कोई फाइनेशियल डुप्लीकेसी हुई हो तो उसका तत्काल निराकरण करेंगे।
10. योजना को इस तरह डिजाइन किया जाय कि सम्पूर्ण कार्य भिन्न-भिन्न ब्लाकों में सम्पादित कराया जा सके तथा एस0पी0ए0 के अन्तर्गत अनुमोदित रु० 5.00 करोड के सापेक्ष एक ब्लॉक का कार्य पूर्ण हो सके। जबकि अन्य ब्लाकों के शेष कार्य हेतु शेष धनराशि की व्यवस्था भारत सरकार की किसी अन्य योजना से कराने का प्रयास किया जायेगा तथा तदोपरान्त की शेष कार्य हेतु प्रस्ताव किया जाय।
11. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या- 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन किया जाए।

12. आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित करें।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक-4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परियोजना-03-चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-03-राजकीय मेडिकल कालेज श्रीनगर की स्थापना के मानक मद- 24-वृहत निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन के अशा0 सं0-249(P)/XXVII(3)/2015, दिनांक- 30 अक्टूबर, 2015 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

4- उपरोक्त वित्तीय स्वीकृति सम्बन्धी ऑन लाइन बजट कम्प्यूटर अलोटमेन्ट आई0डी0 संलग्न है।
संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(आर0 के0 सुधांशु)
सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, पौड़ी।
4. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड़, देहरादून।
5. संबंधित कोषाधिकारी।
6. प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर गढ़वाल।
7. महाप्रबन्धक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम, उत्तराखण्ड, देहरादून।
8. परियोजना प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0, श्रीनगर इकाई, श्रीनगर गढ़वाल।
9. बजट प्रकोष्ठ, सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग/एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
11. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जी0एन0 पन्त)
उप सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016

Secretary, Medical Education (S031)

आवंटन पत्र संख्या - 3604/XXVIII(1)/2015-19/2006 T.C I

अनुदान संख्या - 012

अलोटमेंट आई डी - S1511120061

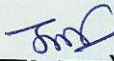
आवंटन पत्र दिनांक -07-Nov-2015

HOD Name - Director Medical Education (2645)

- 1: लेखा शीर्षक 4210 - चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय 03 - चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान
105 - एलौपैथी 03 - श्रीनगर में मेडिकल कालेज की स्थापना
00 - श्रीनगर में मेडिकल कालेज की स्थापना

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
24 - बृहत् निर्माण कार्य	0	5000000	5000000
	0	5000000	5000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 5000000


(जी०एन० पन्त)
उप सचिव।